P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-2* October- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

बस्ती नगर की शैक्षणिक सेवाएँ एवं साक्षरता स्तर (दूर संवेदन तकनीक एवं भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS) पर आधारित भौगोलिक विश्लेषण)

अनुपमा त्रिपाठी
पूर्व शोध छात्रा,
भूगोल विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

सारांश

शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण विकास का नियामक तत्व है, जिसके कारण मानव को धरातल का सर्वश्रेष्ठ प्राणी कहा जाता है। शिक्षा न केवल दक्षता बढ़ाने का साधन है अपितु व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन की समग्र गुणवत्ता को स्तरोन्नत करने का भी एक कारगर साधन है। भौगोलिक दृष्टिकोण से मानव समाज और शिक्षा के अन्तर्सम्बन्ध का विश्लेषण किया जाये तो यह स्पष्ट होता है कि जैसे–जैसे मनुष्य का शैक्षिक विकास हुआ है, उसी के अनुसार उसका सामाजिक उन्नयन हुआ है। क्षेत्रीय रूप में इसमें अन्तर मिलता है क्योंकि संसाधनों पर अधिकार और उनके उपयोग प्रतिरूप में क्षेत्रीय भिन्नता के कारण ही शैक्षणिक विकास में भी अन्तर पाया जाता है। यह तथ्य देखा गया है कि जिन क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टिकोण से उच्च विकास स्तर पाया जाता है शैक्षणिक सेवाएँ भी उन्हीं क्षेत्रों के संदर्भ में अधिक है। परिणामस्वरूप आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नत व्यक्ति ही शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ उठा पाते हैं और जनसंख्या का एक वृहद भाग इससे वंचित रह जाता है। बस्ती नगर में शैक्षणिक सुविधाओं के वितरण और विकास में यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यही कारण है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता में भी असमानता दिखाई देती है। वास्तव में शैक्षिक सेवा या सुविधा मानव विकास का एक आधारभूत अवस्थापनात्मक तत्व है, जिसके माध्यम से वह अपने ज्ञान–विज्ञान का प्रचार–प्रसार करता है और यही विकासात्मक प्रवृत्ति उसे प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। अध्ययन में वार्डानुसार UDPFI के मानक के अनुसार तथा प्रति हजार जनसंख्या पर शैक्षिक सेवाओं की संख्या का आँकलन करते हुए साक्षरता का स्तर ज्ञात किया गया है तथा विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि नगर के साक्षरता के स्तर पर वहाँ की शैक्षिक सेवाओं का प्रभाव पड़ता है तथा दोनों के मध्य धनात्मक सम्बन्ध होता है।

मुख्य शब्द : दूर संवेदन तकनीक, भौगोलिक सूचना तंत्र, क्विकबर्ड इमेज, शैक्षिक सेवाएँ, साक्षरता का स्तर, संकेन्द्रण, मानक विचलन, (SD), UDPFI (Urban Development, Plans Formulation & Implementation) ।

प्रस्तावना

किसी नगर में शैक्षणिक सेवाओं की स्थापना काल, परिस्थिति, स्थान, आवश्यकता व अन्य अवस्थापनात्मक तत्वों का प्रतिफल होती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारे देश के संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में शिक्षा को उचित मान्यता प्रदान की गयी और कहा गया था कि संविधान लागू होने के 10 वर्षों की अवधि में सभी बच्चों के लिए उनकी 14 वर्ष की आयु तक राज्य निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयत्न करेगा। 12 दिसम्बर 2002 को संविधान में 86वाँ संशोधन पेश किया गया और इसके अनुच्छेद 21A को संशोधित करके शिक्षा को मौलिक अधिकार बना दिया गया है, जो 01 अप्रैल 2010 से पूर्ण रूप से लागू हो गया है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन में बस्ती नगर की शैक्षणिक सेवाओं के मात्रात्मक एवं गुणात्मक पक्ष का विश्लेषण किया गया है।

साहित्यावलोकन

प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षा के महत्व तथा विकास से संबंधित अनेंक पुस्तकों, शोधों, शोध पत्रों व लेखों का अध्ययन किया गया है। बस्ती के बारे में सामान्य जानकारी के लिए बस्ती महायोजना, 2021 व बस्ती–2007 का अध्ययन किया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार दैनिक जीवन में साधारण कथन को समझ लेने के साथ–साथ उसको पढ़कर लिख लेने की योग्यता रखना ही

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-2* October- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

साक्षरता है अर्थात् जो व्यक्ति अपना नाम लिख ले, उसे साक्षर कहना उचित है। इस अध्ययन के क्रम में Triwartha (1953) ने "Acare for population Geography" नामक लेख में कहा है कि साक्षरता का तात्पर्य जनसंख्या के ऐसे वर्ग से लगाया जाता है जो एक या अधिक भाषाओं में अपने विचारों को लिखकर व्यक्त कर सके तथा लिखे हुए शब्दों को पढ़कर समझ सके। अतः साक्षरता ही किसी क्षेत्र के सामाजिक विकास का सूचक है। Chandana & Siddhu (1980) ने अपनी पुस्तक Popution Geography में लिखा है कि साक्षरता ही वह कारण है, जो समाज में गतिशीलता पैदा करती है। यह गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, मानसिक विकास, अन्तर्राष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों के निर्माण एवं जनतांत्रिक प्रक्रियाओं के स्वतंत्र संचालन के लिए आवश्यक तत्व है। साक्षरता की कमी के कारण मनुष्य में रूढ़िवादिता एवं मानसिक एकाकीपन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। साक्षरता दर जहाँ उच्च है, वे देश, प्रदेश या क्षेत्र आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं। व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपादान है। जीवन की गुणवत्ता में अभिवृद्धि, परिमार्जन तथा विकास में शिक्षा एक महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि यह घटक नागरिक जीवन के अन्य घटकों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप वत करता है। J. L.Wasti (1983) ने Yojana नामक पत्रिका में "Education and National Development Plan" विषयक लेख प्रस्तुत किया। सतीश चन्द्र तिवारी, (2007) ने उत्तर भारत भूगोल पत्रिका में गोरखपुर जनपद में साक्षरता के परिवर्तित प्रतिरूप का विश्लेषण किया है। इनके अतिरिक्त अन्य पुस्तकों व शोध से संबंधित साहित्यों का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

बस्ती नगर पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख प्रशासनिक नगरों में से एक है। यह नगर उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में कुआनों नदी एवं गोरखपुर–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–28 के मिलन बिंदु पर पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर–लखनऊ (वाया गोण्डा) ब्रॉड गेज रेल पथ पर स्थित है। यह नगर 26^0 48' उत्तरी अक्षांश तथा 82^0 46' पूर्वी देशान्तर पर 19.43 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर विस्तारित है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार बस्ती नगर की कुल जनसंख्या 1,14,651 तथा घनत्व 59 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। पूर्व में नवसृजित जनपद संतकबीर नगर, पश्चिम में गोण्डा, उत्तर में सिद्धार्थ नगर, दक्षिण में फैजाबाद एवं नवसृजित जनपद अम्बेडकर नगर स्थित है।नगर से प्रदेश की राजधानी लखनऊ, फैजाबाद, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीर नगर एवं गोरखपुर की दूरी क्रमशः 223, 80, 70, 33 एवं 70 किलोमीटर है (बस्ती महायोजना– प्रारूप, 2021) । प्रशासनिक दृष्टिकोण से बस्ती नगर 25 वार्डों में विभक्त है (चित्र संख्या– 1)।

चित्र संख्या 1

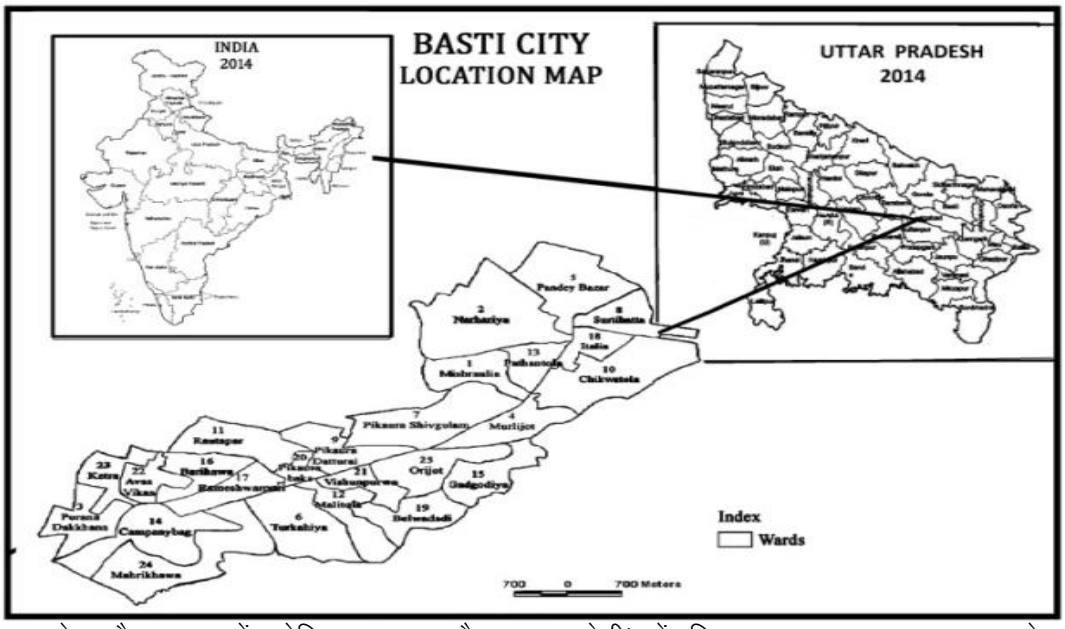

यह क्षेत्र बौद्ध काल में कोलिय गणराय और कपिलवस्तु को साकेत से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर बसी 'बसावट' के कारण ही आगे चलकर 'बस्ती' नाम से जाना जाने लगा। मध्यकालीन समय के अवध के नवाबों ने इस क्षेत्र पर शासन किया तथा 1801 ई0 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन काल में इसे गोरखपुर जनपद के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय बनाया गया। तत्पश्चात् 6 मई 1865 ई0 में बस्ती को पृथक जनपद बनाया गया। बस्ती को सन् 1885 में बंगाल चौकीदारी एक्ट के तहत 'बाजार श्रेणी' में लिया गया। 01 जून, 1949 को बस्ती को नोटीफाइड एरिया से म्यूनिस्पल बोर्ड बना दिया गया। कालान्तर में वर्ष 1997 में यहाँ बस्ती मण्डल का मुख्यालय स्थापित हुआ।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:–

1. बस्ती नगर की शैक्षणिक सेवाओं के वितरण और विकास का अध्ययन करना।
2. साक्षरता के स्तर का विश्लेषण करना।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-2* October- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

3. साक्षरता स्तर में सुधार हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

आँकड़ा स्रोत एवं विधि तंत्र

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों के संकलन तथा विश्लेषण पर आधारित है। द्वितीयक आँकड़ों का संकलन विभिन्न प्रकाशित तथा पूर्व संग्रहीत स्रोतों से किया गया है, जिनमें जनगणना विभाग, जनपदीय सामाजिक–आर्थिक समीक्षा, अर्थ एवं संख्या अनुभाग–बस्ती, जनपदीय गजेटियर, नगर पालिका–बस्ती, विकास–भवन आदि कार्यालयों तथा उनके प्रकाशनों आदि से आँकड़ों का संकलन किया गया है। यथास्थान इण्टरनेट द्वारा प्राप्त आँकड़ों व सूचनाओं का भी प्रयोग किया गया है। शैक्षणिक सेवाओं व साक्षरता के क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप के अध्ययन व मानचित्रीकरण के लिये दूर संवेदन तकनीक द्वारा गूगल अर्थ से प्राप्त **क्विकबर्ड इमेज (वर्ष –** 2013) का प्रयोग कर क्षेत्र में जाकर शैक्षणिक सेवाओं की वास्तविक स्थिति से मिलान कर भौगोलिक सूचना तंत्र के Arc View GIS 3.2a **साफ्टवेअर** की सहायता से किया गया। अध्ययन के विभिन्न चरणों में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आँकड़ों का क्रमबद्ध सारणीयन, वर्गीकरण तथा मात्रात्मक विधियों के प्रयोग द्वारा विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण किया गया है।

बस्ती नगर में शिक्षा का विकास एवं वितरण

बस्ती नगर में शैक्षिक सेवाओं का मात्रात्मक एवं गुणात्मक विकास उन्नत अवस्था में नहीं है। नगर में प्राथमिक शिक्षा प्रारम्भ से ही चल रही थी तथा 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में सर्वप्रथम हाईस्कूल (राजकीय) खुला। **गोविन्द राम सक्सेरिया** ने दूसरा हाईस्कूल खोला। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 20 मई 1952 ई0 बस्ती नोटीफाइड एरिया के रूप में तथा 1 अप्रैल 1954 को नगरपालिका अस्तित्व में आयी। 1959 में पहला महाविद्यालय **किसान महाविद्यालय**, 1968 में पहला **महिला महाविद्यालय**, 1969–70 में **एल0टी0 कॉलेज** स्व0 पं0 शिवहर्ष उपाध्याय द्वारा स्थापित किया गया। बस्ती नगर में नर्सरी/प्राथमिक पाठशालाओं से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की शिक्षा के साथ ही प्राविधिक शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं। किसी भी नगर के नगरवासियों पर शैक्षिक सेवाओं का मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों प्रकार का प्रभाव पड़ता है। अध्ययन क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं को सामाजिक अवस्थापना तत्व का एक प्रमुख तत्व स्वीकार करते हुए, इसे प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, इण्टरमीडिएट, महाविद्यालय, तकनीकी शिक्षा, विकलांग बच्चों हेतु विद्यालय, पुस्तकालय, निजी विद्यालय तथा अन्य विविध प्रकार की शिक्षाओं से जुड़े संस्थानों के संदर्भ में बाँट कर मानचित्र संख्या – 2 तथा तालिका संख्या–1 में प्रदर्शित किया गया है। नगर के शैक्षिक सेवाओं का वितरण प्रतिरूप इस प्रकार है–

Table No. 1
Analysis of Educational Facilities of BASTI CITY,2013

Educational Facilities (Catagary)	Number of Education Facitlities	Number of Education Facilities According to UDPFI Guide Lines		Number of Schools/ 1000 population
		UDPFI Norms and Standards	In Basti City	
Pre-Primary, Nursery Schools	13	1 for 2500 population	0.28	0.11
Primary Schools (1 to5)	50	1 for 5000 population	11.45	2.29
Senior Secondary Schools (6 to 12)	42	1 for 7500 population	2.75	0.37
Heigher Education a. College b. Technical Education Centre	3 2 (1 Industrial Training Inst. & 1 Polyt.College)	1 for 1.25 Lakhs population 1 for 10 Lakhs population (Including 1 Industrial training institute & 1 Polytechnic college)	3.27 2.5	0.03 0.02
Schools for Handicapped	2	1 for 45000 population	0.9	0.02
Library	6	1 for 15000 population	0.79	0.05

चित्र संख्या 2

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-2* October- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

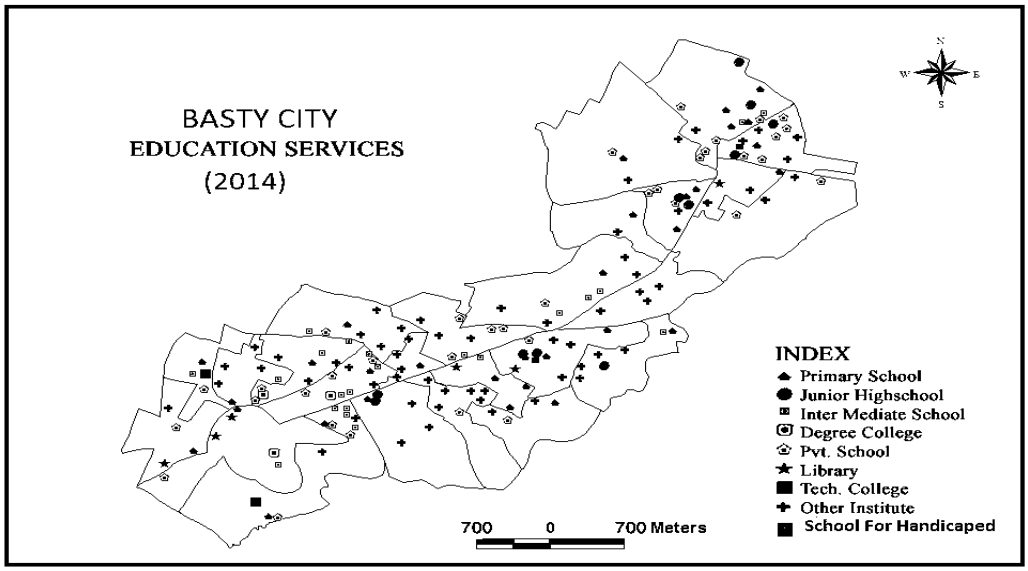

प्री–प्राइमरी/नर्सरी विद्यालय

इन श्रेणी के पाठशालाओं में सामान्यतः 6 वर्ष से कम आयु के बालक/बालिकाएँ साथ–साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं। बस्ती नगर के अन्तर्गत प्री–प्राइमरी/नर्सरी विद्यालयों की संख्या 13 है, जिनमें विद्यार्थियों की कुल संख्या 1019 है, जिसके आधार पर प्रति विद्यालय में विद्यार्थियों की औसत संख्या लगभग 78 है। वर्तमान समय में लगभग 8,819 व्यक्तियों पर एक सुविधा उपलब्ध है अर्थात प्री–प्राइमरी/नर्सरी विद्यालयों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.11 तथा 2,500 व्यक्तियों पर 0.28 है, जो UDPFI के मानक (1 for 2,500 Populaion) के अनुरूप बहुत कम है।अतः इनके संख्या में वृद्धि की आवश्यकता हैं।

प्राथमिक विद्यालय

इन श्रेणी के पाठशालाओं में सामान्यतः 6 से 11 वर्ष तक के बालक/बालिकाएँ साथ–साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं। बस्ती नगर के अन्तर्गत परिषदीय तथा मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 32 है, जिनमें विद्यार्थियों की कुल संख्या 3680 है, जिसके आधार पर प्रति विद्यालय में विद्यार्थियों की औसत संख्या लगभग 115 है। इसी श्रेणी के निजी पाठशालाओं की संख्या 18 है। अतः वर्तमान समय में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या कुल मिलाकर लगभग 50 है तथा 2293 व्यक्तियों पर एक प्राथमिक विद्यालय की सुविधा उपलब्ध है अर्थात प्राथमिक विद्यालयों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 2.29 तथा 5,000 व्यक्तियों पर 11.45 है, जो UDPFI के मानक (1 for 5,000 Populaion) के दृष्टि से अधिक है, किन्तु स्थानीय वितरण, भवनों की दशा, प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या एवं उपलब्ध अन्य सुविधाओं की दृष्टि से इन विद्यालयों को संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

इस श्रेणी के विद्यालयों के अन्तर्गत जूनियर हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज को सम्मिलित किया गया है। इस श्रेणी के विद्यालयों में सामान्यतः 12 वर्ष से 18 वर्ष आयु तक के छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। बस्ती नगर में परिषदीय विद्यालयों (जूनियर हाई स्कूलों) की कुल संख्या 12 है, जिनमें 8 विद्यालय बालकों तथा 4 विद्यालय बालिकाओं के लिए हैं, जिनमें क्रमशः 618 तथा 430 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। जिसके आधार पर प्रति विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगभग 87.33 है। इस श्रेणी में निजी जूनियर हाई स्कूलों की संख्या 7 है। अतः वर्तमान समय में जूनियर हाई स्कूलों की संख्या कुल मिलाकर लगभग 19 है तथा 6034 व्यक्तियों पर एक जूनियर हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध है अर्थात जूनियर हाई स्कूलों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.17 तथा 7,500 व्यक्तियों पर 1.28 है, जो UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 7,500 Populaion) से अधिक है।

नगर में कुल 10 मान्यता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेज हैं, जिनमें अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की कुल संख्या 13,159 है। इन विद्यालयों में 6 बालकों तथा 4 बालिकाओं के लिए हैं। इनमें शिक्षार्थियों की संख्या क्रमशः 7376 एवं 5783 है, जिसके आधार पर प्रति विद्यालय में विद्यार्थियों की औसत संख्या 1316 है। इस श्रेणी में मान्यता प्राप्त कालेज के अतिरिक्त 13 गैर मान्यता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेज भी है। अतः इण्टरमीडिएट कालेज की संख्या कुल मिलाकर लगभग 23 है। अतः लगभग 4,985 व्यक्तियों पर एक इण्टरमीडिएट कालेज की सुविधा उपलब्ध है अर्थात इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.20 तथा 7,500 व्यक्तियों पर 1.51 है, जो UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 7,500 Populaion) के लगभग बराबर है।

इस प्रकार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अन्तर्गत वर्तमान अवधि में सम्मिलित रूप से जूनियर हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेज की कुल संख्या लगभग 42 है। अतः लगभग 2,730 व्यक्तियों पर एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सुविधा उपलब्ध है अर्थात उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.37 तथा 7,500 व्यक्तियों पर 2.75 है, जो UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 7,500 Populaion) से ऊपर है। इस प्रकार नगर में जनसंख्या मानक के आधार पर

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या का अभाव नहीं है। परन्तु इन संस्थाओं आधारभूत सुविधाओं, यथा– पर्याप्त भवन, खेल–कूद के प्रांगण ,पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला आदि का अभाव है।

स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यालय

बस्ती नगर में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा के लिए तीन महाविद्यालय उपलब्ध हैं, जिनमें दो बालकों एवं एक बालिकाओं का है। इनमें अध्ययनरत कुल छात्र–छात्राओं की संख्या 5168 है, जिनकी संख्या क्रमशः 3968 एवं 1200 है। अतः वर्तमान में लगभग 38,217 व्यक्तियों पर एक महाविद्यालय की सुविधा उपलब्ध है अर्थात उच्च शिक्षा केन्द्रों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.03 तथा 1,25,000 व्यक्तियों पर 3.27 है, जो अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (1,14,651) के अनुसार तथा UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 1.25 Lakhs Populaion) से लगभग तीन गुना है। इस प्रकार नगर में जनसंख्या मानक के आधार पर उच्चतर उच्च शिक्षा केन्द्रों की संख्या संख्या तो अधिक है परन्तु इन संस्थाओं में आधारभूत सुविधाओं, मानक के अनुरूप भवनों, पुस्तकालय/ वाचनालय, प्रयोगशाला एवं क्रीडांगन आदि जैसी आधुनिक सुविधाओं का अभाव तथा शिक्षकों की कमी है, जिसके कारण उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

तकनीकी/औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

बस्ती नगर में कुल 2 तकनीकी प्रशिक्षण संस्थायें हैं, जिनमें एक पॉलिटेक्निक (प्राविधिक) एवं एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है।इस प्रकार के केन्द्रों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.02 है। UDPFI के न्यूनतम मानक (1 Industrial training and 1 Polytechnic Institute for 10 Lakhs Populaion) के आधार पर यह संख्या (17.44) पर्याप्त से भी ज्यादा कही जा सकती है। इन संस्थाओं में नवीन तकनीक तथा उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सुविधाओ की कमीं हैं।

विकलांग बच्चों हेतु विद्यालय

बस्ती नगर में इस वर्ग में कुल 2 शिक्षण संस्थायें हैं, जिनमें एक ओरिजोत वार्ड में एवं एक सुर्तीहट्टा वार्ड में है।इस प्रकार के केन्द्रों की संख्या प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.02 है। UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 45,000 Populaion) के आधार पर यह संख्या (0.9) कुछ कम है। इन संस्थाओं में मानक के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं की कमी भी हैं।

वाचनालय/पुस्तकालय

नगरवासियों को देश–विदेश की घटनाक्रमों की जानकारी तथा साहित्यिक अभिरूचि के ज्ञानवर्धन में सामुदायिक स्तर पर वाचनालय एवं पुस्तकालयों की आवश्यकता होती है। नगर में एक **जिला पुस्तकालय/वाचनालय** है तथा 5 अन्य पुस्तकालय/वाचनालय हैं। अर्थात 19,109 व्यक्तियों पर पुस्तकालयों की संख्या 1, प्रति हजार व्यक्तियों पर 0.05 तथा 15,000 व्यक्तियों पर 0.79 है, जो नगर के UDPFI के न्यूनतम मानक (1 for 15,000 Populaion) से कम है। इस अभाव कव दू करने की आवश्यकता है।

इस प्रकार नगर में मान्यता प्राप्त कुल 32 प्राथमिक विद्यालय, 12 जूनियर हाईस्कूल, 23 हायर सेकेण्ड्री/इण्टरमीडियट कालेज तथा 3 स्नातक/स्नातकोत्तर कालेज, 2 तकनीकी संस्थान एवं 6 पुस्तकालय विद्यमान है, जो नगर को शैक्षिक सेवा प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 40 अन्य शैक्षणिक संस्थाएँ हैं, जिसके अन्तर्गत शिक्षा विभाग द्वारा पंजीकृत 13 एवं गैर पंजीकृत 27 निजी स्कूल भी संचालित किये जा रहे हैं। इन निजी स्कूलों में 13 प्री–प्राइमरी/नर्सरी, 18 प्राइमरी, 7 जूनियर हाईस्कूल एवं 2 हायर सेकेण्ड्री/ इण्टरमीडियट कालेज शामिल हैं। नगर में अनेक धार्मिक शिक्षा के केन्द्र तथा कोचिंग संस्थान आदि भी हैं, जिन्हें अन्य की श्रेणी में रखा गया है। मानचित्र द्वारा स्पष्ट है कि बस्ती नगर क्षेत्र में सर्वाधिक 14 शैक्षिक सेवाएँ (8.43%) पाण्डेय बाजार वार्ड में उपलब्ध है तथा सबसे कम 2 शैक्षिक सेवाएँ (1.20%) मिश्रौलिया तथा मुरलीजोत वार्ड में है।

साक्षरता

व्यक्ति जो किसी भाषा में समझ के साथ लिख और पढ़ सकता है, 'साक्षर' माना गया है। साक्षरता के आधार पर ही विकास की योजनाएं और शिक्षा नीति निर्धारित की जाती है। अतः किसी क्षेत्र विशेष की अर्थव्यवस्था एवं साक्षरता एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसी कारण कृषि प्रधान अर्थतंत्र वाले क्षेत्रों में साक्षरता कम और औद्योगिक प्रधान अर्थतंत्र वाले क्षेत्रों में उच्च साक्षरता पायी जाती है **(तिवारी 2007)**। बस्ती नगर में शैक्षिक सेवाओं का वितरण समान नहीं है अध्ययन क्षेत्र में एक तरफ शैक्षिक सेवाओं का वितरण सघन तो दूसरी तरफ विरल मिलता है। यही कारण है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता में भी असमानता दिखाई देती है। नगर में साक्षरता का स्तर ज्ञात करने के लिये अधोलिखित विधि तंत्र का प्रयोग किया गया है –

विधि तंत्र

प्रस्तुत अध्ययन में साक्षरता के सम्बन्ध में नगर के औसत को आधार मानकर मानक विचलन ज्ञात कर नगर के वार्डों निम्नलिखित 6 वर्गों में विभक्त करके अध्ययन किया गया है। ये वर्ग अति उच्च ($Mean+SD_3$), उच्च वर्ग ($Mean+SD_2$), मध्यम उच्च वर्ग ($Mean+SD_1$), मध्यम निम्न वर्ग ($Mean-SD_1$), निम्न ($Mean-SD^2$) एवं अति निम्न ($Mean-SD_3$) हैं। साक्षरता प्रतिरूप संबंधी आँकड़े जनगणना विभाग द्वारा प्रकाशित जिला जनगणना पुस्तिकाओं से एकत्र किये गये हैं।

बस्ती नगर में साक्षरता का स्तर

बस्ती नगरीय क्षेत्र का साक्षरता सम्बन्धी विवरण तालिका संख्या– 2 में प्रदर्शित है।

तालिका संख्या– 2

बस्ती नगरः साक्षरता दर में वृद्धि (प्रतिशत में)– वर्ष 1991–2011

क्र.सं.	वर्ष	कुल साक्षरता	स्त्री साक्षरता	पुरूष साक्षरता
1	1991	59	38.57	61.43
2	2001	68	42.05	57.95
3	2011	83.3	77.48	88.58

स्रोत – जनगणना वर्ष 1991, 2001 एवं 2011.

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-2* October- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि वर्ष 1991 में कुल साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत 59% रहा, जो वर्ष 2001 में बढ़कर 68% तथा 2011 में 83.3% हो गया। इसी प्रकार वर्ष 1991 में कुल साक्षर स्त्री एवं पुरूष का प्रतिशत क्रमशः 38.57% एवं 61.43% रहा। वर्ष 2001 में स्त्री एवं पुरूष साक्षरता का प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 42.05% एवं 57.95% प्रतिशत हो गया तथा 2011 में स्त्री एवं पुरूष साक्षरों का प्रतिशत क्रमशः 77.48% तथा 88.58% रहा, जो कि 1991 तथा 2001 की तुलना में बहुत अधिक है। यह वृद्धि नगर में शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा आर्थिक स्थिति में हुए सुधार का परिणाम है। तालिका द्वारा दृष्टिगत है कि 1991 से लेकर 2011 तक निरन्तर स्त्री–पुरूष साक्षरता के प्रतिशत में वृद्धि हुई है।

साक्षरता वितरण प्रतिरूप

बस्ती नगर पालिका क्षेत्र में सर्वाधिक साक्षरता (92.95%) आवास–विकास वार्ड तथा न्यूनतम साक्षरता (52.94%) मिश्रौलिया वार्ड में दृष्टिगत है। बस्ती नगर पालिका क्षेत्र की साक्षरता के क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप के अध्ययन के लिए नगर के सभी वार्डों को नगर के औसत साक्षरता (83.3%) के आधार पर निम्नांकित वर्गों में बाँटा गया है (तालिका संख्या–3 एवं चित्र संख्या–3)। तालिकानुसार अति उच्च व निम्न वर्ग के अन्तर्गत कोई भी वार्ड नहीं आता है।

तालिका सं0– 3

बस्ती नगरः कुल साक्षरता – 2011

वर्ग एवं मान (प्रतिशत में)	वार्ड	वार्डों की संख्या	वार्डों का प्रतिशत
उच्च (Mean+ SD2) (>92.50)	आवास–विकास	1	4
मध्यम उच्च (Mean+ SD1) (83.3-92.50)	रामेश्वरपुरी, तुरकहिया, बैरिहवा, पिकौराबक्स, रौतापार, पिकौरादत्तूराय, गडगोडिया, ओरीजोत, महरीखॉवा, पिकौराशिवगुलाम, पुरानाडाकखाना, विशुनपुरवा, सुर्त्तीहट्टा, बेलवाडाड़ी, कम्पनीबाग	15	60
मध्यम निम्न (Mean- SD2) (75.14-83.3)	कटरा, नरहरिया, इटैलिया, पाण्डेयबाजार, पठानटोला, मालीटोला, मुरलीजोत	7	28
अति निम्न (Mean- SD1)(<66.46)	चिकवाटोला एवं मिश्रौलिया	2	8
योग		**25**	**100**

स्रोत – जिला जनगणना पुस्तिका–2011, बस्ती।

तालिका संख्या 3 एवं चित्र संख्या 3 के अनुसार **उच्च वर्ग** (>92.50) के अन्तर्गत नगर का मात्र 1 वार्ड (कुल वार्डों का 4%) आवास–विकास शामिल है, जिसकी साक्षरता 92.95% है। बस्ती नगर का सबसे नियोजित आवासीय क्षेत्र तथा बेहतर आर्थिक स्थिति होने के कारण इस वार्ड में सबसे अधिक साक्षरता पायी जाती है। यह वार्ड नगर के पश्चिमोत्तर भाग में स्थित है।

मध्यम उच्च वर्ग (83.3% & 92.50%) के अन्तर्गत 15 वार्ड (60%) सम्मिलित है। इस वर्ग में सर्वाधिक साक्षरता (92.55%) वाला वार्ड रामेश्वरपुरी तथा न्यूनतम साक्षरता (84.91%) वाला वार्ड तुरकहिया है। ये वार्ड नगर के लगभग सम्पूर्ण पश्चिमी दक्षिणी तथा उत्तरी–मध्य भाग में स्थित हैं।

मध्यम निम्न वर्ग (75.14%-83.3%) के अन्तर्गत नगर के कुल 7 वार्ड (28%) सम्मिलित है, जिनमें अधिकतम साक्षरता (83.46%) कटरा वार्ड में तथा न्यूनतम साक्षरता (75.33%) नरहरिया वार्ड में है। ये वार्ड नगर के उत्तरी दक्षिणी–मध्य एवं पश्चिमोत्तर भाग में स्थित है।

अति निम्न वर्ग के अन्तर्गत (<66.46 %) नगर के 2 वार्ड (8%) चिकवाटोला एवं मिश्रौलिया हैं, जिनकी साक्षरता क्रमशः 64.92% एवं 52.94% है। लगभग ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण इन वार्डों में साक्षरता सबसे कम है। नगर के उत्तर–पश्चिम तथा उत्तर–पूर्व भाग में स्थित है।

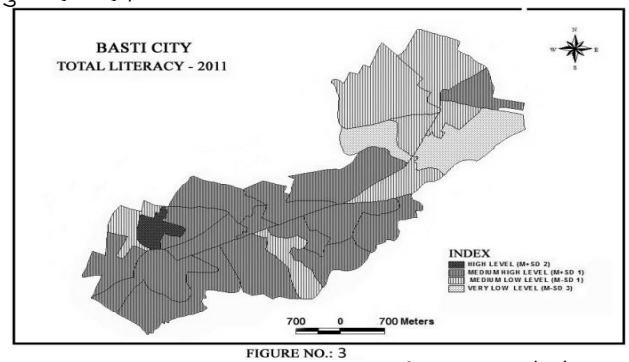

FIGURE NO.: 3

पुरूष साक्षरता वितरण प्रतिरूप

वर्ष 2011 की जनगणनानुसार बस्ती नगर क्षेत्र की औसत पुरूष साक्षरता 88.58% रही, जो उत्तर प्रदेश के नगरीय पुरूष साक्षरता दर 81.75% की तुलना में अधिक है। परन्तु पुरूष साक्षरता के क्षेत्रीय वितरण में काफी असमानतायें हैं। नगर क्षेत्र के 64% वार्डों की पुरूष साक्षरता नगर के औसत पुरूष साक्षरता से उच्च तथा 36% वार्डों की पुरूष साक्षरता औसत से कम पायी जाती है। पुरूष साक्षरता के क्षेत्रीय वितरण के स्वरूप के अध्ययन हेतु नगर के वार्डों को निम्न वर्गों में रखा जा

सकता है (तालिका संख्या 4 एवं चित्र संख्या 4), जिसमें अति उच्च, उच्च एवं निम्न वर्ग में कोई भी वार्ड सम्मिलित नहीं हैं।

तालिका सं0– 4

बस्ती नगरः पुरूष साक्षरता –2011

वर्ग एवं मान (प्रतिशत में)	वार्ड	वार्डों की संख्या	वार्डों का प्रतिशत
मध्यम उच्च (Mean+ SD1) (88.58-96.76)	आवास–विकास, बेलवाडाड़ी, रामेश्वरपुरी, रौतापार, पिकौराबक्स, पिकौरादत्तूराय, महरीखॉवा, गडगोडिया, कम्पनीबाग, पुराना डाकखाना, ओरीजोत, कटरा, विशुनपुरवा	16	64
मध्यम निम्न (Mean- SD1) (81.40-88.58)	तुरकहिया, मालीटोला, पठानटोला, इटैलिया, पाण्डेयबाजार, मुरलीजोत, नरहरिया	7	28
अति निम्न (Mean- SD3) (<73.72)	चिकवाटोला एवं मिश्रौलिया	2	8
योग		**25**	**100**

स्रोत – जिला जनगणना पुस्तिका–2011, बस्ती।

तालिका संख्या–4 एवं चित्र संख्या–4 के अनुसार **मध्य**म उच्च वर्ग (89.08% - 96.76%) के अन्तर्गत कुल वार्डों की संख्या 16 (कुल वार्डों का 64%) है। इसमें अधिकतम पुरूष साक्षरता (96.57%) आवास–विकास वार्ड में तथा न्यूनतम पुरूष साक्षरता (89.42%) बेलवाडाड़ी वार्ड में पायी जाती है। ये वार्ड नगर के आधे से अधिक भाग (पश्चिमी, दक्षिण–मध्य, उत्तर–पूर्वी) में स्थित हैं।

मध्यम निम्न वर्ग के अन्तर्गत (81.40-89.08) कुल 7 वार्ड (28%) सम्मिलित हैं, जिसमें अधिकतम पुरूष साक्षरता (88.48%) तुरकहिया वार्ड में तथा न्यूनतम पुरूष साक्षरता (83.02%) मालीटोला वार्ड में पायी जाती है। ये वार्ड नगर के उत्तरी एवं दक्षिण–मध्य भाग में स्थित हैं।

अति निम्न वर्ग (<73.72%) के अन्तर्गत 2 वार्ड (8%) चिकवाटोला एवं मिश्रौलिया वार्ड सम्मिलित हैं, जिनकी पुरूष साक्षरता क्रमशः 72.03% एवं 61.32% है। ये वार्ड नगर के उत्तर–पूर्वी तथा उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित हैं।

स्त्री साक्षरता वितरण प्रतिरूप

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बस्ती नगर क्षेत्र की औसत स्त्री साक्षरता 77.48% है जो कि उत्तर प्रदेश की औसत नगरीय स्त्री साक्षरता 71.68% की तुलना में पुरूष साक्षरता की भाँति ही अधिक है। स्त्री साक्षरता भी सभी वार्डों में समान नहीं है। बस्ती नगर के 60% वार्डों की स्त्री साक्षरता नगर के औसत स्त्री साक्षरता से अधिक तथा 40% वार्डों में औसत से कम स्त्री साक्षरता पायी जाती है। स्त्री साक्षरता के वितरण की असमानता को देखते हुए नगर के वार्डों को निम्नलिखित वर्गों में बाँटा गया है (तालिका संख्या–5 एवं चित्र संख्या 5)। नगर के स्त्री साक्षरता के अति उच्च वर्ग में कोई भी वार्ड शामिल नहीं है।

तालिका सं0–5

बस्ती नगरः स्त्री साक्षरता – 2011

वर्ग एवं मान (प्रतिशत में)	वार्ड	वार्डों की संख्या	वार्डों का प्रतिशत
उच्च (Mean+ SD2) (>88.80)	रामेश्वरपुरी व आवास–विकास	2	8
मध्यम उच्च (Mean+ SD1) (77.48-88.08))	पिकौराबक्स, सुर्त्तीहट्टा, बैरिहवा, रौतापार, पिकौरादत्तूराय, ओरीजोत, गडगोडिया, विशुनपुरवा, बेलवाडाड़ी, पिकौराशिवगुलाम, तुरकहिया, महरीखॉवा, पुरानाडाकखाना	13	52
मध्यम निम्न (Mean- SD1)(67.98-77.48)	कम्पनीबाग, मुरलीजोत, इटैलिया, मालीटोला, पाण्डेयबाजार, कटरा, पठानटोला	7	28
निम्न (Mean- SD2)(57.93-67.98)	मिश्रौलिया	1	4
अति निम्न (Mean- SD3) (<57.93)	चिकवाटोला एवं नरहरिया	2	8
योग		**25**	**100**

स्रोत – जिला जनगणना पुस्तिका, बस्ती।

तालिका संख्या–5 एवं चित्र संख्या–5 के अनुसार **उच्च वर्ग** (>88.80%) के अन्तर्गत नगर के 2 वार्ड 8% सम्मिलित है। नगर के सर्वाधिक विकसित क्षेत्र होने के कारण इन वार्डों में स्त्री साक्षरता अधिक पायी जाती है। ये वार्ड नगर के पश्चिमोत्तर भाग में स्थित हैं।

मध्यम उच्च वर्ग (78.03%-88.08%) के अन्तर्गत नगर के कुल 13 वार्ड (52%) सम्मिलित हैं, जिसमें सर्वाधिक स्त्री साक्षरता पिकौराबक्स (87.90%) एवं न्यूनतम स्त्री साक्षरता सुर्त्तीहट्टा (78.96%) वार्ड में पायी जाती है। ये वार्ड नगर के पश्चिमी–मध्य, दक्षिणी–मध्य, दक्षिण–पश्चिमी एवं उत्तर–पूर्वी भाग में स्थित हैं।

मध्यम निम्न वर्ग (67.98%-77.48%) के अन्तर्गत नगर के कुल 7 वार्ड (28%) सम्मिलित हैं, जिसमें सर्वाधिक स्त्री साक्षरता कम्पनीबाग (77.29%) एवं न्यूनतम स्त्री साक्षरता मुरलीजोत (71.95%) वार्ड में पायी जाती

है। ये वार्ड नगर के पश्चिमी, दक्षिण–मध्य, उत्तरी एवं दक्षिण–पूर्वी भाग में स्थित हैं।

निम्न वर्ग के अन्तर्गत (57.93%-67.98%) के अन्तर्गत नगर का मात्र 1 वार्ड (4%) मिश्रौलिया आता है, जिसकी स्त्री साक्षरता 64.83% है। यह वार्ड नगर के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित है।

अति निम्न वर्ग (<57.93) के अन्तर्गत नगर के 2 वार्ड (8%) सम्मिलित हैं, जिसमें स्त्री साक्षरता चिकवाटोला वार्ड में 56.87% एवं नरहरिया वार्ड में 43.69% पायी जाती है। ये वार्ड नगर के उत्तर–पूर्वी एवं उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित हैं।

अध्ययन क्षेत्र की औसत पुरूष साक्षरता दर (88.58%) स्त्री साक्षरता दर (77.48%) की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक पायी गयी है। इस विषमता का प्रमुख कारण है– स्त्रियों के आवागमन, शिक्षा और रोजगार के प्रति प्रतिकूल भाव। गरीबी, शिक्षा की उच्च लागत, शिक्षा सुविधाओं की सीमित उपलब्धता तथा जनसंख्या वृद्धि दर ने स्त्री साक्षरता को प्रभावित किया है।

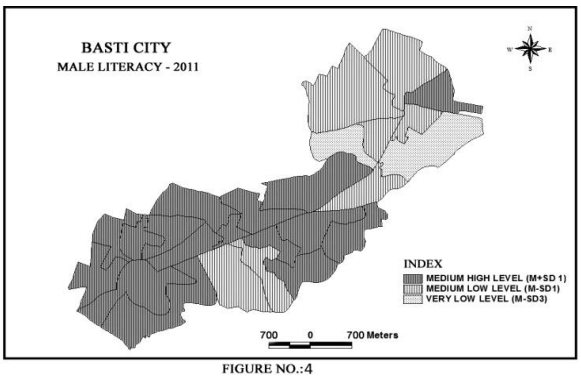

FIGURE NO.:4

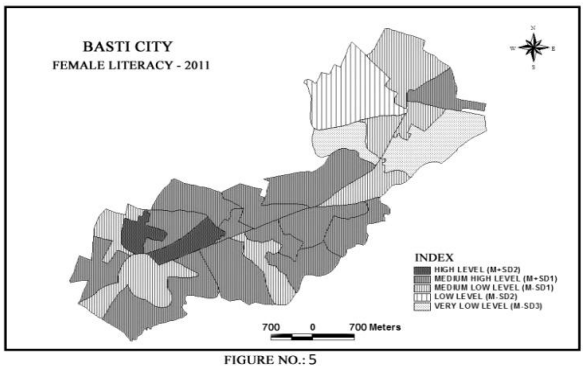

FIGURE NO.: 5

निष्कर्ष

निष्कर्षतः उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि बस्ती नगर के सभी वार्डों में शैक्षिक स्थिति एक समान नहीं है। इसका प्रमुख कारण शिक्षा केंद्रों व साक्षरता का सभी वार्डों में असमान वितरण है। साक्षरता में विषमता का प्रमुख कारण गरीबी, शिक्षा की उच्च लागत, शिक्षा सुविधाओं की सीमित उपलब्धता व असमान वितरण तथा स्त्री साक्षरता की उपेक्षा है और स्त्री साक्षरता की उपेक्षा व विषमता का प्रमुख कारण है– स्त्रियों के आवागमन, शिक्षा और रोजगार के प्रति प्रतिकूल भाव। नगर के आधे से अधिक वार्डों में शिक्षा के मध्यम व निम्न स्तर का कारण संचालित की जा रही इन शिक्षण संस्थाओं में एक जैसी सुविधाओं का अभाव है। कुछ ऐसे विद्यालय हैं, जिनमें मानक के आधार पर न तो पर्याप्त कमरे हैं, न तो उनके लिए लिखने–पढ़ने के लिये पर्याप्त पीठिका है और न ही उनके लिए व्यायाम/मनोरंजन हेतु क्रीडांगन है। इनमें जो भी कुछ सुविधाएँ हैं, वह भी असंतोषजनक एवं जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है। नगर में अभी समस्त शैक्षिक सुविधायें उन्नत अवस्था में नहीं है तथा विभिन्न स्तरीय शैक्षिक सुविधाओं की कमी भी महसूस की जाती है। नगर के मिश्रौलिया, नरहरिया, मुरलीजोत, चिकवाटोला, मालीटोला, इटैलिया, कटरा, पठानटोला, पाण्डेय बाजार, सुर्त्तीहट्टा आदि वार्डों में साक्षरता तथा स्त्री साक्षरता दोनों ही बहुत कम है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण विद्यार्थियों का नामांकन के पश्चात पढ़ाई बीच में ही छोड़ देना है। अतः ऐसे वार्डों में शैक्षणिक सेवाओं की संख्या में वृद्धि के साथ–साथ शिक्षा को रुचिकर बनाने के लिये शैक्षिक संस्थानों में आधुनिक व गुणवत्तापूर्ण संसाधनों (नवाचार) के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा। शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अतिरिक्त मिश्रौलिया, नरहरिया, बेलवाडाड़ी, गडगोडिया, पिकौरा दत्तूराय, पाण्डेय बाजार तथा सुर्त्तीहट्टा जैसे वार्ड, जहाँ की आय कम है, वहाँ आय के स्रोत बढ़ाने होंगे। जिससे इन वार्डों में भी शिक्षा पर होने वाले व्यय को बढ़ाया जा सके। हालॉकि गत वर्षों की तुलना में वर्तमान समय में अध्ययन क्षेत्र में स्त्रियों की साक्षरता दर में तीव्र वृद्धि होना, क्षेत्र में सकारात्मक व प्रगतिशील विचारों के प्रवाह का सूचक है। निष्कर्षतः विकासशील नगर के दृष्टिकोण से बस्ती नगर में शैक्षिक सुविधाओं का मात्रात्मक विकास तो दिखता है परन्तु गुणात्मक विकास किये जाने की आवश्यकता है। साक्षरता दर में वृद्धि की गति सकारात्मक है।

संदर्भ–ग्रंथ सूची

1. *बस्ती महायोजना, प्रारूप (2021): गोरखपुर सम्भागीय नियोजन खण्ड नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश, गोरखपुर ।*
2. *बस्ती – 2007 जिला पंचायत उद्योग प्रिंटिंग प्रेस, न्याय मार्ग, बस्ती।*
3. *त्रिपाठी, राम देव व तिवारी, गुणाकर नाथ, (2008) : बस्ती नगर पालिका क्षेत्र (उत्तर प्रदेश) में जल निकास तंत्रः एक भौगोलिक अध्ययन'', भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका, Vol. 14, No. 1 June.*
4. *नगर पालिका रिपोर्ट (2013-2014).*
5. *जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (1981): भाग XII-ब, प्राथमिक जनगणना सार, पृष्ठ संख्या– XVIII.*
6. *Wasti, J.L. (1983): Education and National Development Plan, Yojana, Vol-22.*
7. *Urban Developmet Plans Formulation and Implimentation.*
8. *खरे, पी.सी. एवं सिन्हा, वी.सी. (1985): सामाजिक जनांकिकी एवं भारत में जन स्वास्थ्य, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।*
9. *Triwartha, G.T. (1953): A care for population Geography, Annals of the Association of American Geopgraphers, Vol. 43.*

10. *Chandana, R.C. & Siddhu, M.S., (1980): Popution Geography, Kalyani Publishers, New Delhi.*
11. *तिवारी, सतीश चन्द्र (2007) : गोरखपुर जनपद में साक्षरता का परिवर्तित प्रतिरूप, उत्तर भारत भूगोल पत्रिका, अंक 37, संख्या–1 जून।*

Web Sources

12. *http://www. censusindia.net*
13. *http://www.basti.nic.in*
14. *http://www.google.com*